PAPER-II
PĀLI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

J	8	3	1	6

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________

(In words)

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

PĀLI
Paper – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. How many 'Duka-mātikas' are there in the Dhammasaṅgaṇi ?

(1) 22 (2) 25
(3) 52 (4) 100

2. What is the number of cetasikas (psychic factors) in the Dhammasaṅgaṇi ?

(1) 56 (2) 54
(3) 100 (4) 75

3. The number of Nīvaraṇas in the Dhammasaṅgaṇi is

(1) 4
(2) 12
(3) 8
(4) 6

4. 'Pañcadvārāvajjana-Kiriyācitta' is associated with

(1) Somanassa
(2) Domanassa
(3) Upekkhā
(4) Sukha

5. The number of 'Rūpakalāpas' is

(1) 21
(2) 31
(3) 11
(4) 41

6. The 'Pathamābhisambuddha' Buddha sojourned on the banks of the river

(1) Gaṅgā
(2) Yamunā
(3) Nerañjarā
(4) Sarabhū

7. The order of the Viññāṇa Nidāna in the Paṭicasamuppāda Anuloma Naya happens to be

(1) The First
(2) The Second
(3) The Third
(4) The Fourth

पालि

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. धम्मसंगणि में दुक मातिकाओं की संख्या कितनी है ?

(1) 22 (2) 25

(3) 52 (4) 100

2. धम्मसंगणि में चेतसिकों की संख्या कितनी है ?

(1) 56 (2) 54

(3) 100 (4) 75

3. धम्मसंगणि में नीवरणों की संख्या है :

(1) 4
(2) 12
(3) 8
(4) 6

4. 'पञ्चद्वारावाज्जन – किरियाचित्त' सम्बन्धित हैं :

(1) सोमनस्स
(2) दोमनस्स
(3) उपेक्खा
(4) सुख

5. रूपकलापों की संख्या है :

(1) 21
(2) 31
(3) 11
(4) 41

6. 'पठमाभिसम्बुद्ध' बुद्ध इस नदी के किनारे विहार किए थे –

(1) गंगा
(2) यमुना
(3) नेरञ्जरा
(4) सरभू

7. पटिसमुप्पाद अनुलोम नय में विञ्ञाण निदान का क्रम है –

(1) प्रथम
(2) द्वितीय
(3) तृतीय
(4) चतुर्थ

8. The Exalted Buddha did not mentally repeat the Paṭiccasamuppāda in this yāma of the night
(1) Fourth
(2) Third
(3) Second
(4) First

9. This is not counted in the eight vimokkhas in the *Mahāparinibbāna Sutta*
(1) Rūpī rūpāni passati
(2) Subhanteva Adhimutto hoti
(3) Attakilamathānuyogo
(4) Ajjhattaṃ arūpasaññī

10. The Dīpavaṃsa is a composition of this period
(1) Fourth CE
(2) First CE
(3) Eighth CE
(4) Tenth CE

11. According to the Mahāvaṃsa, how many monks participated in the Vesālī Dhammasaṅgīti
(1) 800
(2) 700
(3) 500
(4) 300

12. Ācārya Buddhadatta was born at
(1) Uragapura
(2) Rājapura
(3) Kusinārā
(4) Moraṇḍa Khetaka

13. This is the characteristic of vicāra
(1) Cetayitā
(2) Vijānana
(3) Appanā
(4) Anumajjana

14. 'Pamukha Lakkaṇo' is the characteristic of
(1) Samaadhi
(2) Sīla
(3) Sati
(4) Viriya

8. भगवान् बुद्ध ने रात के इस पहर में पटिच्चसमुप्पाद का मन में आवर्जन नहीं किया था –
(1) चतुर्थ
(2) तृतीय
(3) द्वितीय
(4) पहले

9. महापरिनिब्बान सुत्त में आठ विमोक्ख में यह परिगणित नहीं है –
(1) रूपी रूपानि पस्सति
(2) सुभन्तेव अधिमुत्तो होति
(3) अत्तिकिलमथानुयोगो
(4) अज्झतं अरूपसञ्ञी

10. दीपवंस इस काल की रचना मानी जाती है
(1) चतुर्थ शताब्दी ईस्वी
(2) प्रथम शताब्दी ईस्वी
(3) आठवीं शताब्दी ईस्वी
(4) दसवीं शताब्दी ईस्वी

11. महावंस के अनुसार, वेसाली की धम्मसंगीति में कितने भिक्षु सम्मिलित हुए थे ?
(1) 800
(2) 700
(3) 500
(4) 300

12. आचार्य बुद्धदत्त का जन्मस्थान यह था
(1) उरगपुर
(2) राजपुर
(3) कुसिनारा
(4) मोरण्ड खेटक

13. विचार का यह लक्ष्य है
(1) चेतयिता
(2) विजानन
(3) अप्पना
(4) अनुमज्जन

14. 'पमुख लक्खणो' इसका लक्षण है
(1) समाधि
(2) सील
(3) सति
(4) वीरिय

15. The author of Ñāṇodaya is
(1) Buddhaghosa
(2) Dhammapāla
(3) Mahānāma
(4) Buddhadatta

16. The one who is not included in the Cha Satthāro (Six Teachers)
(1) Āyupāla
(2) Makkhali Gosālo
(3) Pūrano Kassapo
(4) Ajito Kesakambalo

17. The author of the *Mahāvaṃsa* is
(1) Anuruddha
(2) Mahānāma
(3) Buddhadatta
(4) Dhammapāla

18. This text is not written by Buddhadatta
(1) Buddhavaṃsa
(2) Vinaya-Vinicchaya
(3) Abhidhammāvatāra
(4) Uttara-Vinicchaya

19. This is not included in the Tilakkhaṇa
(1) Anicca
(2) Dukkha
(3) Suññatā
(4) Annattā

20. The number of verses in the *Yamakavagga* is
(1) 20
(2) 16
(3) 15
(4) 12

21. "Vitaṇḍāvādi durāsado duppasaho puthutitthakarānam aggamakkhāyati" is the characteristic of
(1) Nāgasena
(2) Milinda
(3) Upasena
(4) Mahāsena

15. *ञाणोदय* के लेखक हैं –
(1) बुद्धघोस
(2) धम्मपाल
(3) महानाम
(4) बुद्धदत्त

16. छ सत्थारों में जो सम्मिलित नहीं है
(1) आयुपाल
(2) मक्खलि गोसालो
(3) पूरणो कस्सपो
(4) अजितो केसकम्बलो

17. *महावंस* के लेखक हैं
(1) अनुरुद्ध
(2) महानाम
(3) बुद्धदत्त
(4) धम्मपाल

18. बुद्धदत्त के लिखे ग्रन्थों में यह ग्रंथ सम्मिलित नहीं है
(1) बुद्धवंस
(2) विनय-विनिच्छय
(3) अभिधम्मावतार
(4) उत्तर-विनिच्छय

19. तिलक्खण में यह सम्मिलित नहीं है
(1) अनिच्च
(2) दुक्ख
(3) सुञ्ञता
(4) अनत्ता

20. *यमकवग्ग* में गाथाओं की संख्या है
(1) 20
(2) 16
(3) 15
(4) 12

21. "वितण्डवादी दुरासदो दुप्पसहो पुथुतित्थकरानं अग्गमक्खायति" यह विशेषण इनका है
(1) नागसेन
(2) मिलिन्द
(3) उपसेन
(4) महासेन

22. The meeting and conversation between Buddhadatta and Buddhaghosa has been mentioned in this text

(1) Vinaya-Vinicchaya

(2) Dhammapada

(3) Dīpavaṃsa

(4) Visuddhimagga

23. This is not counted among the Brahmavihāras

(1) Mettā

(2) Karunā

(3) Muditā

(4) Paññā

24. The monk who was sent to the Himavantapadesa to propagate Buddhism, was

(1) Majjhima

(2) Mahārakkhita

(3) Mahinda

(4) Mahādeva

25. This is the suffix in *Khattiyā*

(1) ā

(2) ī

(3) inī

(4) ū

26. The tradition of writing *ṭīkas* on the *aṭṭhakathās* (commentaries) started during the reign of the King

(1) Kālāsoka

(2) Mahāsammata

(3) Parakkamabāhu I

(4) Paṇḍuvāsudeva

27. "Manasā ce padutthena bhāsati vā karoti vā." This result of this is

(1) Sukkhamanveti

(2) Dukkhamanveti

(3) Sukkhamanveti dukkamanveti ca

(4) Na sukkhamanveti na dukkhamanveti ca

28. This is the case ending in the word *Rājino*

(A) Sattamī

(2) Tattiya

(3) Duttiya

(4) Chaṭṭhī

22. बुद्धदत्त और बुद्धघोस के मिलन और उनमें संलाप का उल्लेख इस ग्रंथ में प्राप्त है

(1) विनय-विनिच्छय

(2) धम्मपद

(3) दीपवंस

(4) विसुद्धिमग्ग

23. ब्रह्मविहार में यह परिगणित नहीं है

(1) मेत्ता

(2) करुणा

(3) मुदिता

(4) पञ्ञा

24. वह भिक्खु जो बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु हिमवन्तपदेस भेजा गया था, उसका नाम था

(1) मज्झिम

(2) महारक्खित

(3) महिन्द

(4) महादेव

25. *खत्तिया* में यह प्रत्यय है

(1) आ

(2) ई

(3) इनी

(4) ऊ

26. पालि अट्ठकथाओं पर इन राजा के समय से ही टीकाएँ लिखे जाने का क्रम प्रारम्भ हुआ

(1) काळासोक

(2) महासम्मत

(3) पराक्रमबाहु प्रथम

(4) पण्डुवासुदेव

27. "मनसा चे पदुट्ठेन भासति वा करोति वा ।" इसका परिणाम है –

(1) सुक्खमन्वेति

(2) दुक्खमन्वेति

(3) सुक्खमन्वेति दुक्खमन्वेति च

(4) न सुक्खमन्वेति च दुक्खमन्वेति च

28. *राजिनो* शब्द में यह विभक्ति है

(1) सत्तमी

(2) ततिया

(3) दुतिया

(4) छट्ठी

29. This is the Sandhi in *tañhi*

(1) Svara Sandhi
(2) Niggahīta Sandhi
(3) Pakatibhāva Sandhi
(4) Vyañjana Sandhi

30. *Tappuriso* samāsa is found in this

(1) Brāhmaṇakanhadantā
(2) Rattapaṭī
(3) Sattaṭṭhamāsā
(4) Pavīro

31. According to the Vaṃsa literature, Vijayakumāra landed in Śrīlaṃkā Dīpa at this place

(1) Rohaṇagrāma
(2) Tāmraparṇī
(3) Anurādhapura
(4) Nandapura

32. This is the suffix in the word *Yuvati*

(1) ti
(2) ī
(3) inī
(4) ānī

33. This is the case in *Sabbāsaṃ*

(1) Dutiyā
(2) Sattamī
(3) Pancamī
(4) Catutthī

34. This is the example of Svara Sandhi

(1) Evumaṃ
(2) Sarāgo
(3) Yathariva
(4) Kiṃkato

35. When the Buddha arrived at Isipatana Migadāya, the Pancavaggiyā bhikkhus accused the Buddha variously. The second accusation was

(1) Padhāna-vibbhanto
(2) Bāhulliko
(3) Avatto bāhullāya
(4) Sāhasiko

29. *तिञ्हि* में यह सन्धि है
(1) स्वर सन्धि
(2) निग्गहीत सन्धि
(3) पकतिभाव सन्धि
(4) व्यञ्जन सन्धि

30. *तप्पुरिसो* समास इसमें पाया जाता है
(1) ब्राह्मणकण्हदन्ता
(2) रत्तपटी
(3) सत्तट्ठमासा
(4) पवीरो

31. वंस साहित्य के अनुसार, विजयकुमार श्रीलंकादीप के इस स्थान पर पहुंचे थे
(1) रोहणग्राम
(2) ताम्रपर्णी
(3) अनुराधपुर
(4) नन्दपुर

32. *युवति* पद में यह प्रत्यय है
(1) ति
(2) ई
(3) इनी
(4) आनी

33. *सब्बासं* में यह विभक्ति है
(1) दुतिया
(2) सत्तमी
(3) पंचमी
(4) चतुत्थी

34. स्वर सन्धि का उदाहरण है
(1) एवुमं
(2) सरागो
(3) यथरिव
(4) किंकतो

35. इसिपतन मिगदाय में भगवान बुद्ध को आते हुए देख कर पंचवग्गिया भिक्खुओं ने भगवान् बुद्ध पर कई आरोप लगाए । उन आरोपों में से दूसरा आरोप है
(1) पधानविभन्तो
(2) बाहुल्लिको
(3) आवत्तो बाहुल्लाय
(4) साहसिको

36. This is the example of *Avyayibhāva* samāsa
(1) Satthisāma
(2) Asikalaho
(3) Kālavaṇaṃ
(4) Mahāpañño

37. The Buddha put in motion the Anuttara Dhammacakka at a place near
(1) Vesālī
(2) Bārāṇasī
(3) Kosambī
(4) Sāvatthī

38. After getting down from his palace, Yaso Kulaputto went to the place known as
(1) Uruvelā
(2) Vesālī
(3) Rājagahaṃ
(4) Isipatanaṃ Migadāyo

39. In his first sitting with Yaso Kulaputto, the Exalted Buddha told him Anupubbīkathā beginning with
(1) Sīlakathā
(2) Saggakathā
(3) Dānakathā
(4) Nekkhamma Ānisaṃsaṃ

40. The statement that "Tena kho pana Samayena ekādasa loke arahanto honti" was made in the Mahāvagga when
(1) Yasa Gihisahāyakā attained Dhammacakkhu
(2) Yaso kulaputto attained Dhammacakkhu
(3) Pañcavaggiyā Paribbājaka attained Dhammacakkhu
(4) Gihisahāyakā Jānapadā attained Dhammacakkhu

41. This is correct group of the epithets of the Buddha
(1) Anāgata, Anuttara, Sugata, Āgata
(2) Jina, Tathāgata, Anuttara, Sugata
(3) Svāgata, Anuttara, Sugata, Tathāgata
(4) Agata, Anuttara, Sugata, Jina

42. Which one is not deliberated upon in the *Visuddhimagga* is
(1) Sīla
(2) Samādhi
(3) Paññā
(4) Sakkāyadiṭṭhi

36. यह अव्ययीभाव समास का उदाहरण है

(1) सत्थिसामा

(2) असिकलहो

(3) कालवण्णं

(4) महापञ्ञो

37. बुद्ध ने अनुत्तर धम्मचक्क का प्रर्वतन जिस स्थान के समीप किया था, उसका नाम है

(1) वेसाली

(2) बाराणसी

(3) कोसम्बी

(4) सावत्थी

38. अपने महल से उतर कर यसो कुलपुत्तो जहां गये, उस स्थान का नाम था

(1) उरुवेला

(2) वेसाली

(3) राजगहं

(4) इसिपतनं मिगदायो

39. यसो कुलपुत्तो के साथ अपनी प्रथम बैठक में भगवान् बुद्ध ने उन्हें *अनुपुब्बी कथा* कही, जो इससे आरम्भ होती है

(1) सीलकथा

(2) सग्गकथा

(3) दानकथा

(4) नेक्खम्म आनिसंसं

40. 'तेन खो पन समयेन एकादस लोके अरहन्तो होन्ति' महावग्ग में यह कथन कब कहा गया ?

(1) यस गिहिसहायका ने धम्मचक्खु प्राप्त किया

(2) यसो कुलपुत्तो ने धम्मचक्खु प्राप्त किया

(3) पञ्चवग्गीय परिब्बाजकों ने धम्मचक्खु प्राप्त किया

(4) गिहिसहायका जानपदा ने धम्मचक्खु प्राप्त किया

41. बुद्ध की उपाधियों का यह सही समूह है

(1) अनागत, अनुत्तर, सुगत, आगत

(2) जिन, तथागत, अनुत्तर, सुगत

(3) स्वागत, अनुत्तर, सुगत, तथागत

(4) आगत, अनुत्तर, सुगत, जिन

42. विसुद्धिमग्ग में इस पर विचार नहीं किया गया है

(1) सील

(2) समाधि

(3) पञ्ञा

(4) सक्कायदिट्ठि

43. According to the Dīpavaṃsa, the following prominent monks who had seen the Buddha in person, participated in the Second Buddhist Council
(1) Revata, Siggava, Khujjasobhita, Sabbakāmī, Yasa-Kākaṇḍakaputta
(2) Revata, Sambhūta-Sāṇavāsī, kasi-Bhāradvāja, Sabbakāmī, Yasa-Kākaṇḍakaputta
(3) Revata, Sambhūta-Sāṇavāsī, Khujjasobhita, Anuruddhaka, Yasa-Kākaṇḍakaputta
(4) Revata, Sambhūta-Sāṇavāsī, Khujjasobhita, Sabbakāmī, Yasa-Kākaṇḍakaputta

44. The observance of eight Garudhammā is mandatory for
(1) Monks
(2) Upāsakas
(3) Nuns
(4) Upāsikas

45. Upāli was the Vinayapāmokkha for the number of years
(1) 30
(2) 24
(3) 16
(4) 12

46. According to the Pātimokkha, the cutting of a tree leads to the offence of
(1) Saṃghādisesa
(2) Dukkata
(3) Pācittiya
(4) Pārājika

47. The Buddha's mother Māyā belonged to the family known as
(1) Sākya
(2) Koliya
(3) Malla
(4) Vajji

48. Which one of the following pairs is not correctly matched ?
(1) Kāsi – Bārāṇasi
(2) Magadha – Rājagaha
(3) Gandhāra – Takkasila
(4) Kuru – Kosambī

49. How many years after the Māhaparinibbāna did Ajātasattu die ?
(1) 12 (2) 16
(3) 24 (4) 8

50. The *Visuddhimagga* was authored by
(1) Buddhaghosa
(2) Buddhadatta
(3) Dhammakitti
(4) Dignāga

43. दीपवंस के अनुसार, निम्नलिखित विख्यात भिक्खु जो, जो बुद्ध के समकालीन थे, ने द्वितीय बौद्ध संगीति में भाग लिया था –

(1) रेवत, सिग्गव, खुज्जसोभित, सब्बकामी, यस-काकण्डकपुत्त,
(2) रेवत, सम्भूत-साणवासी, कसि-भारद्वाज, सब्बकामी, यस-काकण्डकपुत्त
(3) रेवत, सम्भूत-साणवासी, खुज्जसोभित, अनुरुद्धक, यस-काकण्डकपुत्त
(4) रेवत, सम्भूत-साणवासी, खुज्जसोभित, सब्बकामी, यस-काकण्डकपुत्त

44. इनके लिए अट्ठ गरुधम्मा का पालन अनिवार्य है

(1) भिक्षु
(2) उपासक
(3) भिक्षुणियां
(4) उपासिकाएँ

45. उपालि कितने वर्षों तक विनयपामोक्ख रहे ?

(1) 30
(2) 24
(3) 16
(4) 12

46. पातिमोक्ख के अनुसार, पेड़ काटना निम्नलिखित अपराध माना जाता है

(1) संघादिसेस
(2) दुक्कट
(3) पाचित्तिय
(4) पाराजिक

47. बुद्ध की मां माया इस परिवार से सम्बन्धित थीं

(1) साक्य
(2) कोळिय
(3) मल्ल
(4) वज्जि

48. निम्नलिखित युग्मों में से कौन युग्म सही नहीं है ?

(1) कासी – बाराणसी (2) मगध – राजगहा
(3) गंधार – तक्कसिला (4) कुरु – कोसम्बी

49. अजातसत्तु की मृत्यु महापरिनिब्बान के कितने वर्ष बाद हुई थी ?

(1) 12 (2) 16
(3) 24 (4) 8

50. विसुद्धिमग्ग के लेखक थे

(1) बुद्धघोस (2) बुद्धदत्त
(3) धम्मकित्ति (4) दिग्नाग

Space For Rough Work